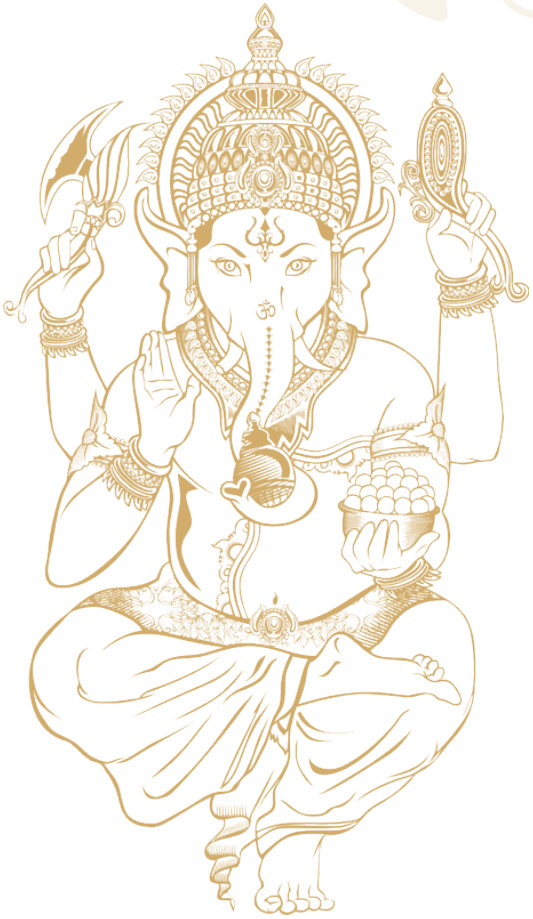

Baby bunnu

11 Feb 2026

09:37 AM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 121295902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/02/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:37:00 घंटे**
इष्ट	06:26:57 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:16:44 घंटे
वेलान्तर	-00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	18:41:42 घंटे
सूर्योदय	07:02:13 घंटे
सूर्यास्त	18:07:08 घंटे
दिनमान	11:04:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	28:12:27 मकर
लग्न के अंश	20:34:41 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्याघात
करण	गर
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	20:34:41	505:50:31	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			मक	28:12:27	01:00:43	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	16:02:31	11:52:54	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	नीच राशि
मंगल		अ	मक	20:28:56	00:47:09	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	13:01:35	01:39:40	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:07:12	00:05:14	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	06:42:21	01:15:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:28:02	00:06:28	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:53:47	00:01:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:53:47	00:01:16	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:15:29	00:00:23	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:12:59	00:01:53	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:47:29	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	15:21:33	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

लग्न-चलित

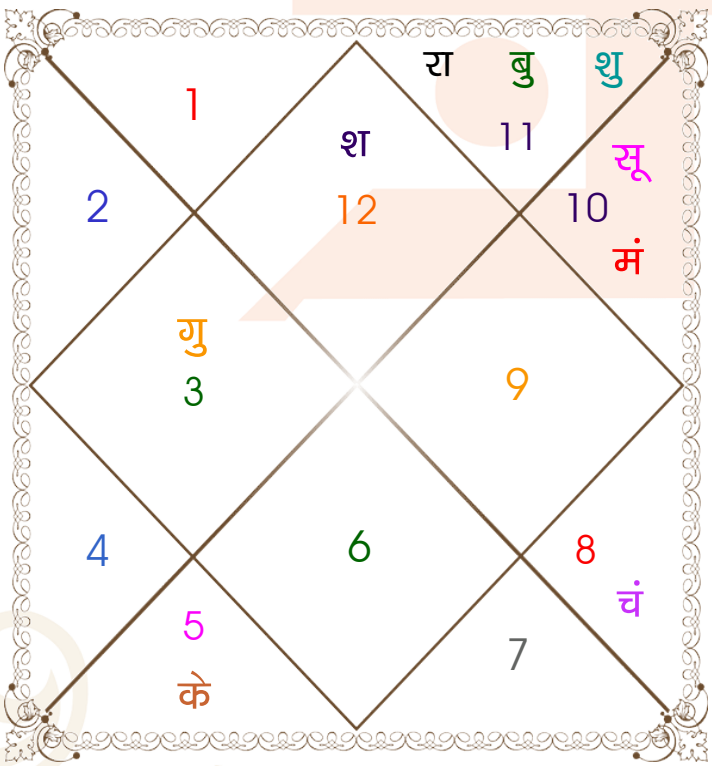

चन्द्र कुंडली

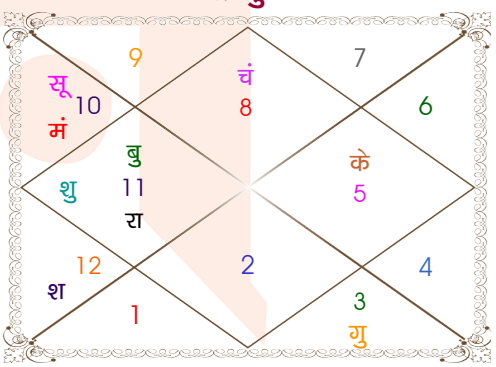

नवमांश कुंडली

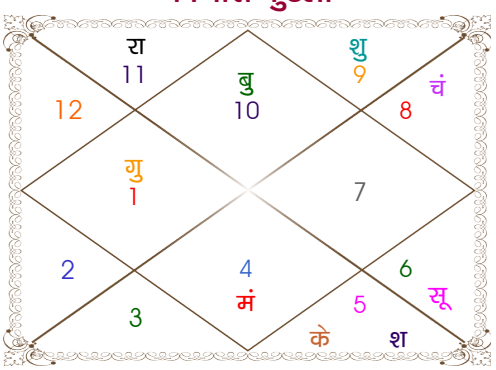

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 10 मास 20 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/02/2026		02/01/2027		02/01/2044		02/01/2051		02/01/2071	
02/01/2027		02/01/2044		02/01/2051		02/01/2071		02/01/2077	
	00/00/0000	बुध	31/05/2029	केतु	30/05/2044	शुक्र	04/05/2054	सूर्य	22/04/2071
	00/00/0000	केतु	28/05/2030	शुक्र	31/07/2045	सूर्य	04/05/2055	चंद्र	21/10/2071
	00/00/0000	शुक्र	28/03/2033	सूर्य	05/12/2045	चंद्र	02/01/2057	मंगल	26/02/2072
	00/00/0000	सूर्य	01/02/2034	चंद्र	06/07/2046	मंगल	04/03/2058	राहु	20/01/2073
	00/00/0000	चंद्र	04/07/2035	मंगल	03/12/2046	राहु	03/03/2061	गुरु	08/11/2073
	00/00/0000	मंगल	30/06/2036	राहु	21/12/2047	गुरु	02/11/2063	शनि	21/10/2074
	00/00/0000	राहु	17/01/2039	गुरु	26/11/2048	शनि	02/01/2067	बुध	27/08/2075
	11/02/2026	गुरु	24/04/2041	शनि	05/01/2050	बुध	02/11/2069	केतु	02/01/2076
गुरु	02/01/2027	शनि	02/01/2044	बुध	02/01/2051	केतु	02/01/2071	शुक्र	02/01/2077

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/01/2077		02/01/2087		02/01/2094		03/01/2112		03/01/2128	
02/01/2087		02/01/2094		03/01/2112		03/01/2128		12/02/2146	
चंद्र	02/11/2077	मंगल	31/05/2087	राहु	14/09/2096	गुरु	20/02/2114	शनि	06/01/2131
मंगल	03/06/2078	राहु	18/06/2088	गुरु	08/02/2099	शनि	03/09/2116	बुध	15/09/2133
राहु	03/12/2079	गुरु	25/05/2089	शनि	16/12/2101	बुध	10/12/2118	केतु	25/10/2134
गुरु	03/04/2081	शनि	03/07/2090	बुध	04/07/2104	केतु	16/11/2119	शुक्र	25/12/2137
शनि	02/11/2082	बुध	01/07/2091	केतु	22/07/2105	शुक्र	17/07/2122	सूर्य	07/12/2138
बुध	03/04/2084	केतु	27/11/2091	शुक्र	22/07/2108	सूर्य	05/05/2123	चंद्र	07/07/2140
केतु	02/11/2084	शुक्र	26/01/2093	सूर्य	16/06/2109	चंद्र	03/09/2124	मंगल	16/08/2141
शुक्र	03/07/2086	सूर्य	03/06/2093	चंद्र	16/12/2110	मंगल	10/08/2125	राहु	22/06/2144
सूर्य	02/01/2087	चंद्र	02/01/2094	मंगल	03/01/2112	राहु	03/01/2128	गुरु	12/02/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 10 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।